न्यूज़लेटर

सितम्बर, 2026

तृतीय अंक

विश्वविद्यालय की उपलब्धियां, नवाचार एवं शैक्षणिक
गतिविधियों का मासिक प्रकाशन

1800 180 4025
www.uou.ac.in

ज्ञान से सृजन तक, संवाद से विश्वास तक

प्रिय शिक्षार्थियों, शिक्षकगण, शोधार्थियों एवं विश्वविद्यालय परिवार,

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के लिए सितम्बर 2026 ज्ञान-सृजन, शिक्षा की पहुँच, शिक्षार्थी संवाद और संस्थागत उत्तरदायित्व की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। इस दौरान विश्वविद्यालय ने अकादमिक गतिविधियों के साथ समाज, संस्कृति और पर्यावरण से अपने जुड़ाव को भी आगे बढ़ाया।

लोक भवन, देहरादून में विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित तीन महत्वपूर्ण पुस्तकों—'21वीं सदी: चुनौतियां और अवसर', 'विकसित भारत@2047' तथा 'विकसित उत्तराखण्ड'—का विमोचन हुआ। इन प्रकाशनों ने समकालीन चुनौतियों, राष्ट्रीय विकास और उत्तराखण्ड के भविष्य पर अकादमिक विमर्श को आगे बढ़ाया। वहीं, हरिद्वार में क्षेत्रीय कार्यालय की शुरुआत और पुस्तक मेले में विद्यार्थियों को सैकड़ों पुस्तकें निःशुल्क उपलब्ध कराना ज्ञान के सृजन से उसके प्रसार और शिक्षा की पहुँच तक हमारी प्रतिबद्धता का विस्तार रहा।

'सूचना, संवाद और समाधान' आधारित जन संवाद कार्यक्रम के दूसरे चरण में शिक्षार्थियों के प्रवेश, परीक्षा, अध्ययन सामग्री, छात्रवृत्ति, प्लेसमेंट सहित विभिन्न विषयों से जुड़े 30 से अधिक प्रश्नों पर सीधे संवाद हुआ। ऐसे मंच पारदर्शिता बढ़ाने के साथ शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को समझने और सेवाओं को बेहतर बनाने का अवसर देते हैं।

हिंदी पखवाड़ा-2026 के माध्यम से 'पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक' की यात्रा पर सार्थक विमर्श हुआ। हिंदी को आधुनिक तकनीकी परिवेश के अनुरूप विकसित करने के साथ अपनी भाषाई विविधता और ज्ञान परंपरा से जुड़े रहना समय की आवश्यकता है। इसी भावना के साथ ढोल-दमाऊ कार्यशाला ने उत्तराखण्ड की लोक विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ा और सांस्कृतिक परंपराओं के पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरण का संदेश दिया।
संस्थागत विकास के साथ जवाबदेही और सतत विकास भी हमारी प्राथमिकता रही। वित्तीय प्रबंधन एवं परिणामोन्मुख कार्यप्रणाली पर विशेषज्ञ संवाद तथा परिसर में ईवी चार्जिंग स्टेशन की शुरुआत इसी दिशा के प्रयास रहे। हिमालय दिवस पर हिमालयी पारिस्थितिकी, जैव विविधता और सतत विकास पर हुआ विमर्श भी हमारे क्षेत्रीय संदर्भों के प्रति अकादमिक और सामाजिक जिम्मेदारी को रेखांकित करता है।

शिक्षक सम्मान समारोह-2026 ने हमें यह स्मरण कराया कि शिक्षक केवल ज्ञानदाता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक, परामर्शदाता और प्रेरक भी हैं। हमारा शिक्षार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण तभी सार्थक होगा, जब हम सभी मिलकर शिक्षार्थियों के ज्ञान, अवसर और भविष्य को प्राथमिकता दें।

इन सभी पहलों के माध्यम से हमारा संकल्प और स्पष्ट हुआ है—सुलभ शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण ज्ञान, निरंतर संवाद, तकनीकी नवाचार, सांस्कृतिक संरक्षण और सतत विकास के साथ उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय को एक संवेदनशील, आधुनिक और उत्तरदायी ज्ञान-संस्थान के रूप में आगे बढ़ाना।

प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी
कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

लोक भवन में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की तीन पुस्तकों का विमोचन

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा तैयार एवं प्रकाशित तीन महत्वपूर्ण पुस्तकों का विमोचन लोक भवन, देहरादून में आयोजित एक गरिमामय समारोह में उत्तराखण्ड के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी, राज्यपाल के सचिव श्री रविनाथ रामन, राज्य के विभिन्न सरकारी एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलपति तथा लोक भवन एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी उपस्थित रहे।

विमोचित पुस्तकों में '21वीं सदी: चुनौतियां और अवसर' (21st Century Challenges), 'विकसित भारत@2047 — आत्मनिर्भर, समावेशी और सतत राष्ट्र निर्माण के बढ़ते कदम' तथा 'विकसित उत्तराखण्ड: राज्यपाल के पंच स्वप्न और संदृष्टि' शामिल हैं। ये तीनों पुस्तकें वैश्विक, राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक, तीनों स्तरों पर विकास और भविष्य की संभावनाओं को एक सूत्र में पिरोती हैं।

'21वीं सदी: चुनौतियां और अवसर' वर्तमान सदी के समक्ष उपस्थित जटिल प्रश्नों और उनसे उपजने वाली नई संभावनाओं पर विमर्श प्रस्तुत करती है। 'विकसित भारत@2047' स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के राष्ट्रीय संकल्प के संदर्भ में आत्मनिर्भरता, समावेशिता और सतत विकास के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालती है। वहीं 'विकसित उत्तराखण्ड: राज्यपाल के पंच स्वप्न और संदृष्टि' राज्यपाल की विकास-दृष्टि के आलोक में उत्तराखण्ड के भविष्य की दिशा पर केंद्रित है। इन पुस्तकों के माध्यम से आत्मनिर्भरता, नवाचार, ज्ञान, शिक्षा और सतत विकास जैसे विषयों के साथ देश एवं प्रदेश के भविष्य पर गंभीर विचार प्रस्तुत किए गए हैं।

पुस्तकों के संपादन मंडल में विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. मंजरी अग्रवाल, प्रो. डिगर सिंह फर्स्वाण, प्रो. जितेंद्र पाण्डेय एवं प्रो. कमल देवलाल शामिल रहे उनके साथ विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी एवं शिक्षक भी कार्यक्रम के साक्षी बने।

विश्वविद्यालय की ओर से इन पुस्तकों के प्रकाशन को अकादमिक एवं बौद्धिक गतिविधियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया गया। यह प्रकाशन विश्वविद्यालय की उस भूमिका को भी रेखांकित करता है, जिसके अंतर्गत वह शिक्षण के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक विकास से जुड़े समसामयिक विषयों पर गंभीर विमर्श को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

यूओयू में शिक्षक सम्मान समारोह-2026 का आयोजन

शिक्षक दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में 'शिक्षक सम्मान समारोह-2026' का आयोजन विश्वविद्यालय के सी.डी.एस. जनरल बिपिन रावत बहुउद्देशीय सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ निदेशक अकादमिक प्रो. पी.डी. पंत के उद्घाटन संबोधन से हुआ। उन्होंने उपस्थित सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं तथा शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. शेर सिंह सामंत, वरिष्ठ वैज्ञानिक, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एन.एस.ए.आई. तथा एच.एफ.आर.आई. के पूर्व निदेशक, का विज्ञान एवं हिमालयी अध्ययन के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसके पश्चात डॉ. सामंत अपने संबोधन में शिक्षा, अनुसंधान एवं ज्ञान के महत्व पर विचार व्यक्त किए। डॉ. सामंत ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए 'विद्यार्थियों के करियर एवं ज्ञान निर्माण में शिक्षकों की भूमिका' विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया।

उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान नहीं करते हैं, बल्कि विद्यार्थियों के जीवन में नैतिक मार्गदर्शक की भूमिका भी निभाते हैं। राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रोत्साहन, सहयोग, मार्गदर्शन एवं प्रेरणा देना भी शिक्षक के दायित्वों का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने अपने शैक्षणिक एवं व्यावसायिक जीवन की यात्रा के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए अनेक प्रेरक प्रसंग प्रस्तुत किए।

माननीय कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने शिक्षक दिवस के अवसर पर सभी शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि एक शिक्षक अपने जीवनकाल में अनेक भूमिकाओं का निर्वहन करता है और प्रत्येक भूमिका को पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ निभाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षक का मूल्यांकन प्रतिदिन होता है, इसलिए उसे प्रत्येक परिस्थिति में अपना सर्वोत्तम प्रयास करना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा अपनाए जा रहे शिक्षार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षक, शिक्षाविद् एवं परामर्शदाता के रूप में हमें मिलकर शिक्षार्थियों के हित में कार्य करना चाहिए। समारोह में विश्वविद्यालय की विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशक, प्राध्यापक, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. कल्पना लखेड़ा द्वारा किया गया। अंत में डॉ. नीरजा सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए आयोजन समिति के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

यूओयू एवं नीपा के सहयोग से एनईपी अभिमुखीकरण एवं संवेदीकरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) द्वारा राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली के सहयोग से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) अभिमुखीकरण एवं संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन 7 से 15 सितंबर तक ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 180 शिक्षकों, शोधकर्ताओं एवं शिक्षाविदों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंतर्गत एनईपी 2020 के विभिन्न आयामों पर केंद्रित कुल 16 अकादमिक सत्र आयोजित किए गए। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यूओयू के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों एवं शिक्षाविदों के बीच निरंतर संवाद, चिंतन और अनुभव-साझाकरण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय इस प्रकार के अकादमिक उपक्रमों के माध्यम से उच्च शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी परिवर्तन के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर नीपा की कुलपति प्रो. शशिकला वंजारी का वीडियो संदेश भी प्रसारित किया गया, जिसमें उन्होंने कार्यक्रम की शैक्षणिक प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए एनईपी 2020 की दृष्टि को संस्थागत व्यवहार से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उद्घाटन सत्र में प्रो. अमित गौतम, निदेशक, यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नीपा; प्रो. प्रदीप कुमार मिश्रा, बैच निदेशक, नीपा; डॉ. सुमन नेगी, बैच समन्वयक एवं एसोसिएट प्रोफेसर, नीपा; तथा यूओयू के अकादमिक निदेशक प्रो. पी. डी. पंत की सहभागिता रही।

कार्यक्रम के समापन पर कुलपति प्रो. लोहनी ने समन्वयक प्रो. डिगर सिंह फर्स्वाण, अन्य समन्वयकों एवं आयोजन से जुड़े सदस्यों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह आयोजन एनईपी 2020 के व्यापक उद्देश्यों और उच्च शिक्षा में अपेक्षित शैक्षणिक परिवर्तनों को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अकादमिक पहल है। प्रतिभागियों की सक्रिय एवं सार्थक सहभागिता की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम शिक्षकों को नीतिगत विमर्श से जोड़ने के साथ-साथ अनुभवों और विचारों के आदान-प्रदान का प्रभावी मंच प्रदान करते हैं।

यूओयू की शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के निदेशक एवं कार्यक्रम के स्थानीय समन्वयक प्रो. डिगर सिंह फर्स्वाण ने कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी, नीपा की कुलपति प्रो. शशिकला वंजारी सहित नीपा के समस्त विशेषज्ञों, समन्वयकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की समझ को व्यापक बनाने के साथ-साथ विभिन्न राज्यों के शिक्षकों एवं शिक्षाविदों के बीच सार्थक अकादमिक संवाद का अवसर प्रदान किया। कुलपति प्रो. लोहनी एवं प्रो. फर्स्वाण, दोनों ने यूओयू और नीपा के बीच इस अकादमिक सहयोग को भविष्य में और अधिक सुदृढ़ एवं व्यापक बनाने की अपेक्षा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आगामी समय में दोनों संस्थानों के मध्य संयुक्त प्रशिक्षण, शैक्षणिक एवं शोधपरक गतिविधियों की संभावनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा।

यूओयू में हिमालय दिवस समारोह का आयोजन

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विज्ञान ब्लॉक में 9 सितम्बर 2026 को हिमालय दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विशेषज्ञों एवं शिक्षकों ने हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण, जैव विविधता, संसाधन प्रबंधन तथा सतत विकास पर विचार साझा किए। उद्घाटन संबोधन में निदेशक अकादमिक प्रो. पी.डी. पंत ने हिमालय को 'एशिया का जल स्तंभ' बताते हुए कहा कि इसकी प्रकृति, पारिस्थितिकी एवं संवेदनशीलता को समझे बिना विकास की प्रभावी योजना संभव नहीं है। उन्होंने आने वाली पीढ़ियों के लिए हिमालय को संरक्षित रखना सामूहिक जिम्मेदारी बताया।

मुख्य अतिथि डॉ. शेर सिंह सामंत ने 'हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण एवं प्रबंधन की आवश्यकता' विषय पर प्रस्तुति दी। उन्होंने जैव विविधता की समझ को सफल संरक्षण की आधारशिला बताते हुए व्यवस्थित एवं दीर्घकालिक अध्ययन पर बल दिया। हिमालय के समक्ष प्रमुख खतरों की चर्चा करते हुए उन्होंने एक्स-सीटू संरक्षण, पीपुल्स बायोडायवर्सिटी रजिस्टर, इकोलॉजिकल निश मॉडलिंग तथा आर्बोरेटम जैसे संरक्षण मॉडलों के उदाहरण प्रस्तुत किए और दीर्घकालिक पारिस्थितिक निगरानी,

संरक्षण शिक्षा, सिटिजन साइंस एवं स्थानीय समुदायों की भागीदारी को आवश्यक बताया। अनुसंधान निदेशालय के प्रमुख प्रो. गिरिजा पाण्डे ने बढ़ती जलवायु आपदाओं की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए पर्यावरणीय खतरों के विश्लेषण को नीति निर्माण का अभिन्न अंग बनाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि शहरी-औद्योगिक विकास और ग्रामीण विकास में समन्वय के अभाव से 'प्रचुरता के बीच गरीबी' जैसी स्थितियाँ उत्पन्न हुई हैं, अतः संसाधनों का विवेकपूर्ण एवं सतत प्रबंधन अनिवार्य है।

धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री खेमराज भट्ट ने कहा कि "हम हिमालय का हिस्सा हैं और हिमालय हमारे अस्तित्व का आधार है।" उन्होंने हिमालय के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. बीना तिवारी फुलारा एवं डॉ. प्रीति पंत ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सक्रिय पहल से आशा का सृजन: यूओयू में विश्व आत्महत्या निवारण दिवस पर मनोवैज्ञानिक कार्यशाला का आयोजन

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एवं एम.बी.पी.जी. कॉलेज, हल्द्वानी के मनोविज्ञान विभाग तथा एंटी ड्रग सेल के संयुक्त तत्वावधान में विश्व आत्महत्या निवारण दिवस के उपलक्ष्य में 11 सितम्बर 2026 को 'सक्रिय पहल से आशा का सृजन' विषय पर एक दिवसीय मनोवैज्ञानिक कार्यशाला आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के सी.डी.एस. जनरल बिपिन रावत बहुउद्देशीय सभागार में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आत्महत्या की रोकथाम हेतु व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्तर पर सक्रिय पहल को प्रोत्साहित करना था। समाज विज्ञान विद्याशाखा की निदेशक प्रो. रेनू प्रकाश ने स्वागत संबोधन में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व तथा इस दिशा में विद्याशाखा की गतिविधियों की जानकारी दी।

मनोविज्ञान विभाग की डॉ. सीता ने आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते एकाकीपन की ओर ध्यान दिलाते हुए नकारात्मक भावनाओं को दबाने के बजाय समय रहते व्यक्त करने तथा परिवार एवं मित्रों की सहायक भूमिका पर बल दिया। निदेशक अकादमिक प्रो. पी.डी. पंत ने कहा कि जीवन अत्यंत मूल्यवान है और कोई भी समस्या जीवन से बड़ी नहीं होती। मुख्य अतिथि एम.बी.पी.जी. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एन.एस. बनकोटी ने विद्यार्थियों के संदर्भ में इस विषय को अत्यंत

प्रासंगिक बताते हुए मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को कलंक के बजाय संवेदनशीलता एवं स्वीकार्यता के साथ देखने की आवश्यकता बताई। मुख्य वक्ता, सुशीला तिवारी मेडिकल कॉलेज के मनोवैज्ञानिक डॉ. युवराज पंत ने मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के गहरे संबंध पर प्रकाश डालते हुए मानसिक स्वास्थ्य को समान प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उप-वक्ता डॉ. तनुश्री गौर ने जरूरतमंद व्यक्तियों को विशेषज्ञ सहायता तक पहुँचाने में समाज की भूमिका पर चर्चा की तथा ऐसे व्यक्तियों की पहचान हेतु पाँच चरणों वाली व्यावहारिक आकलन प्रक्रिया एवं टेली-मानस जैसी हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने मानसिक स्वास्थ्य पर निरंतर संवाद की आवश्यकता बताते हुए कहा कि बढ़ते एकाकीपन के दौर में परिवार एवं करीबी मित्रों से नियमित रूप से भावनाएँ साझा करना आवश्यक है।

कार्यशाला में एम.बी.पी.जी. कॉलेज के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आत्महत्या को बढ़ावा देने वाले सामाजिक व्यवहारों पर प्रश्न उठाते हुए सामुदायिक सहयोग का संदेश दिया। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान शोधार्थी द्वारा एक विशेष सत्र में व्यावहारिक सुझाव भी साझा किए गए। अंत में प्रो. पी.डी. पंत ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. किरण कर्नाटक ने तथा कार्यशाला का संयोजन डॉ. भाग्यश्री जोशी ने किया। कार्यक्रम में दोनों संस्थानों के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सूचना, संवाद और समाधान: यूओयू के जन संवाद कार्यक्रम का दूसरा चरण संपन्न

शिक्षार्थियों एवं हितधारकों के साथ पारदर्शी और सहभागी संवाद को सुदृढ़ करने की दिशा में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा 18 सितम्बर 2026 को 'जन संवाद कार्यक्रम भाग-2' के द्वितीय चरण का ऑनलाइन आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय के फेसबुक, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब मंचों पर @UOULive के माध्यम से किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो 'हैलो हल्द्वानी 91.2 एफ.एम.' की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

'सूचना, संवाद और समाधान' की अवधारणा पर आधारित इस कार्यक्रम की थीम 'शिक्षा, अवसर और विश्वास: मिलकर करें उत्कृष्ट विश्वविद्यालय का निर्माण' रही। तीन चरणों में प्रस्तावित इस श्रृंखला का उद्देश्य शिक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की सेवाओं से अवगत कराना तथा उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सीधे संबंधित अधिकारियों तक पहुँचाना रहा।

कार्यक्रम में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने शिक्षार्थियों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने और उनकी आवश्यकताओं को समझकर समाधान उपलब्ध कराने में ऐसे मंचों के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशालय से प्रो. गिरिजा प्रसाद पाण्डे, अकादमिक निदेशालय एवं अध्ययन सामग्री निर्माण एवं वितरण से प्रो. पी.डी. पंत, परीक्षा अनुभाग से प्रो. सोमेश कुमार, प्रवेश अनुभाग से डॉ. सुमित प्रसाद, शोध अनुभाग से प्रो. मंजरी अग्रवाल, प्लेसमेंट सेल से डॉ. अखिलेश सिंह तथा पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा से प्रो. राकेश चन्द्र रयाल ने अपने-अपने विभागों की प्रक्रियाओं एवं सेवाओं की सरल एवं स्पष्ट जानकारी दी।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण प्रश्नोत्तर सत्र रहा, जिसका संचालन 'हैलो हल्द्वानी' से श्री अनिल नैलवाल एवं श्रीमती सोनू भट्ट ने किया। वीडियो संदेश, ई-मेल एवं लाइव चैट के माध्यम से प्राप्त 30 से अधिक प्रश्न विशेषज्ञ पैनल के समक्ष रखे गए। ये प्रश्न प्रवेश प्रक्रिया, अध्ययन केंद्रों की सुविधाओं, पाठ्य सामग्री वितरण, विवरण संशोधन, डी.ई.बी. आई.डी., परीक्षा शहर परिवर्तन, शुल्क वापसी, प्लेसमेंट एवं छात्रवृत्ति जैसे विषयों से संबंधित थे। नेपाल के शिक्षार्थियों ने भी डिग्री की समकक्षता एवं प्रवेश संबंधी प्रश्न पूछे। विशेषज्ञों ने शिक्षार्थियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करते हुए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uou.ac.in नियमित रूप से देखने,

'Student One View' पोर्टल का लाभ उठाने तथा आवश्यकता पड़ने पर संबंधित विद्याशाखा या विभाग से आधिकारिक ई-मेल के माध्यम से संपर्क करने की सलाह दी। अंत में डॉ. सुमित प्रसाद ने आई.सी.टी. एवं मीडिया टीम के योगदान की सराहना करते हुए सभी विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

हिंदी पखवाड़ा-2026 समारोह सम्पन्न - तकनीकी युग में हिंदी के सतत विकास और नए तकनीकी अनुप्रयोगों को अपनाने पर जोर

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के तत्वावधान में आयोजित हिंदी पखवाड़ा-2026 का समापन समारोह शुक्रवार को संपन्न हुआ। समारोह का विषय “पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक” था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति एवं संरक्षक प्रो. नवीन चंद्र लोहनी जी, मुख्य अतिथि प्रो. दिवा भट्ट, मुख्य वक्ता डॉ. विजया सती सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वागत संबोधन में मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा पाण्डे ने कहा कि जिस प्रकार वैश्विक स्तर पर अंग्रेज़ी संपर्क और अवसरों की भाषा है, उसी प्रकार देश के भीतर हिंदी व्यापक संपर्क भाषा की भूमिका निभाती है। संगोष्ठी की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए डॉ. शशांक शुक्ल ने कहा कि बाज़ार, मशीन और तकनीक की कसौटी पर खरी उतरने वाली भाषा ही भविष्य में टिकेगी, अतः हिंदी को तकनीकी परिवेश के अनुरूप तैयार करना होगा।

मुख्य वक्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय की सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. विजया सती ने हंगरी (बुडापेस्ट) में हिंदी के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने विदेशों में हिंदी के अध्ययन-अध्यापन, प्रवासी हिंदी साहित्य तथा वैश्विक स्तर पर हिंदी के लिए कार्यरत विद्वानों का स्मरण करते हुए हिंदी की वैश्विक उपस्थिति के विविध पक्षों पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि प्रो. दिवा भट्ट ने भारतीय भाषाओं और हिंदी के अंतर्संबंधों पर विचार रखते हुए कहा कि "हिंदी भाषा एक सतरंगी छाता है, जिसके अंदर समस्त भारतीय भाषाएँ हैं।" उन्होंने भाषायी विविधता को समझने की आवश्यकता पर बल दिया।

समारोह को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी जी ने तकनीकी युग में हिंदी के सतत विकास तथा आधुनिक तकनीक के साथ हिंदी के निरंतर विस्तार की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तकनीकी रूप से तेजी से बदलते वर्तमान समय में हिंदी भाषा का विकास भी सतत रूप से होना चाहिए। हिंदी को वैश्विक और आधुनिक मंचों पर अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए भाषा के विकास में नए-नए तकनीकी अनुप्रयोगों को शामिल किए जाने की आवश्यकता है।

डॉ. अनिल कार्की ने पखवाड़े के दौरान आयोजित गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विजयी प्रतिभागियों को पुस्तकें एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। निबंध प्रतियोगिता में कृतिका त्रिवेदी, शाने अली एवं डॉ. रुचि पाण्डे; व्याकरण प्रतियोगिता में डॉ. मीतू भट्ट, कमलेश पथनी एवं हेम छिमवाल; तथा स्लोगन प्रतियोगिता में रेनू भट्ट, कृतिका त्रिवेदी एवं स्वाति उपाध्याय को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. पुष्पा बुढलाकोटी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राजेंद्र कैड़ा ने प्रस्तुत किया। समारोह में विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बीएड प्रवेश परीक्षा में 3,505 अभ्यर्थियों ने आजमाई किस्मत, योग प्रवेश परीक्षा भी सम्पन्न

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के जुलाई 2026 प्रवेश सत्र के अंतर्गत बी.एड. (ODL) एवं बी.एड. (स्पेशल) प्रवेश परीक्षाएँ 20 सितम्बर 2026 को निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुईं। दोनों पाठ्यक्रमों के लिए कुल 3,505 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 2,770 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 735 अनुपस्थित रहे।

बी.एड. (ODL) की परीक्षा प्रथम पाली में सुबह 9 से 11 बजे तथा बी.एड. (स्पेशल) की परीक्षा द्वितीय पाली में दोपहर 12 से 2 बजे तक आयोजित हुई। बी.एड. (ODL) के लिए प्राप्त 1,986 आवेदनों में से 1,558 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 428 अनुपस्थित रहे। वहीं बी.एड. (स्पेशल) के 1,519 आवेदनों में से 1,212 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी और 307 अनुपस्थित रहे। परीक्षाएँ एम.आई.ई.टी. कुमाऊँ, शिक्षा नगर लामाचौड़, हल्द्वानी; एस.जी.आर.आर. कॉलेज, देहरादून तथा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय मुख्यालय, हल्द्वानी में आयोजित की गईं। इसके अतिरिक्त बी.ए. योग एवं एम.ए. योग की प्रवेश परीक्षा ऑनलाइन माध्यम से सुबह 10 से 11 बजे तक हुई। इसमें 154 अभ्यर्थियों में से 134 अभ्यर्थी शामिल हुए, जबकि 20 अनुपस्थित रहे। परीक्षा की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए कुलपति एवं परीक्षा नियंत्रक ने एम.आई.ई.टी. कुमाऊँ, लामाचौड़, हल्द्वानी केंद्र का सुबह के सत्र में औचक निरीक्षण किया। सभी प्रवेश परीक्षाएँ शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुईं।

ढोल-दमाऊ की थाप पर जीवंत हुई लोक विरासत, यूओयू में नई पीढ़ी ने जाना उत्तराखण्ड का सांस्कृतिक वैभव

उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति और पारंपरिक वाद्य परंपराओं की जीवंत झलक 20 सितम्बर 2026 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के सी.डी.एस. जनरल बिपिन रावत बहुउद्देशीय सभागार में देखने को मिली। 'अपनी धरोहर न्यास' के तत्वावधान में आयोजित ढोल-दमाऊ कार्यशाला में पारंपरिक वाद्यों की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्ता, उनके विविध प्रयोग और लोकजीवन से उनके संबंध को प्रस्तुतियों के माध्यम से समझाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ ढोल-दमाऊ की पारंपरिक थाप, दीप प्रज्वलन और शगुन आखर के साथ हुआ। उद्घाटन संबोधन कुमाउनी भाषा में श्रीमती शांति जीना ने दिया। उन्होंने 'अपनी धरोहर' संस्था के कार्यों और सांस्कृतिक संरक्षण के प्रयासों की जानकारी देते हुए कहा कि संस्कृति के संरक्षण की शुरुआत स्वयं से होती है और अपनी जड़ों को समझना तथा अगली पीढ़ी तक पहुंचाना सामूहिक जिम्मेदारी है। संस्था पर आधारित एक वृत्तचित्र भी प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम में यूओयू के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहानी, यू-कॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रान्त प्रचारक श्री चन्द्रशेखर, डॉ. सोहन लाल, श्री मोहन लाल, श्रीमती सुनीता जोशी एवं श्रीमती शांति जीना सहित अनेक अतिथि उपस्थित रहे। डॉ. सोहन लाल और उनकी टीम ने गणेश वंदना से ढोल-दमाऊ की प्रस्तुति की। कलाकारों ने विभिन्न तालों और प्रहारों के सांकेतिक महत्व को समझाते हुए बताया कि इन वाद्यों के माध्यम से उत्तराखण्ड में पर्वों, अनुष्ठानों और विभिन्न भावनाओं की अभिव्यक्ति की जाती रही है। इसके बाद श्री मोहन लाल और उनकी टीम ने कुमाउनी संस्कृति में ढोल-दमाऊ के विविध प्रयोगों को प्रस्तुत किया। प्रस्तुति की खास बात यह रही कि इसमें उनके आठ वर्षीय पौत्र हितेश कुमार ने भी भाग लिया, जिसने लोक परंपरा के पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरण का संदेश दिया। यू-कॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने ऐसे आयोजनों को सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण के लिए महत्वपूर्ण बताया और इन्हें नियमित रूप से आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं श्री चन्द्रशेखर ने भारत और उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक विविधता का उल्लेख करते हुए युवा पीढ़ी को अपनी लोक संस्कृति और विरासत से जोड़ने की आवश्यकता रेखांकित की। कार्यक्रम में सुन्दर दास एवं उनकी टीम ने पारंपरिक वाद्य हुड़का की प्रस्तुति दी और उसके सांस्कृतिक महत्व तथा विभिन्न अनुष्ठानों में इसके प्रयोग की जानकारी दी। इस प्रस्तुति के माध्यम से उत्तराखण्ड की लोक संगीत परंपरा में पारंपरिक वाद्यों की विविधता भी सामने आई।

कार्यक्रम के दौरान उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की विकास यात्रा पर आधारित एक वृत्तचित्र भी प्रदर्शित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के विस्तार, क्षेत्रीय अध्ययन केंद्रों में हुए विकास, प्रवेश संख्या में वृद्धि और समग्र प्रगति को दर्शाया गया। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहानी ने कलाकारों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के शुभ अवसरों और विभिन्न आयोजनों में उत्तराखण्ड की लोक संगीत परंपरा को स्थान देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने की बात कही और सभी से इनमें सहभागी बनने का आह्वान किया। समारोह में 'बैणी सेना', 'साथी' सहित विभिन्न संगठनों एवं सांस्कृतिक संस्थाओं को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, संस्कृति प्रेमी और लोक कला के प्रशंसक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन प्रो. राकेश चन्द्र रयाल ने किया। आयोजन में न्यास के अध्यक्ष विजय भट्ट, सर्व व्यवस्था प्रमुख श्री कृष्ण चन्द्र बेलवाल, व्यवस्था प्रमुख श्री गोपाल सिंह पटवाल सहित आयोजन टीम का सहयोग रहा। कार्यक्रम ने विश्वविद्यालय परिसर को लोक संस्कृति, पीढ़ियों के बीच सांस्कृतिक संवाद और पारंपरिक विरासत के संरक्षण के एक जीवंत मंच के रूप में सामने रखा।

वित्तीय प्रबंधन को परिणामों से जोड़ने पर जोर, यूओयू में विशेषज्ञ व्याख्यान

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वित्तीय प्रबंधन, संस्थागत जवाबदेही और सतत विकास से जुड़ी दो महत्वपूर्ण पहलें 21 सितम्बर 2026 को सामने आईं। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र (CIQA) द्वारा वित्तीय प्रबंधन एवं जवाबदेही पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया, वहीं विश्वविद्यालय परिसर में ईवी चार्जिंग स्टेशन का भी उद्घाटन किया गया। CIQA द्वारा आयोजित 'स्वायत्त सार्वजनिक संस्थानों, विशेषकर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वित्तीय प्रबंधन एवं जवाबदेही' विषयक विशेष व्याख्यान में भारत के पूर्व उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक श्री निरंजन पंत मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम के उद्घाटन संबोधन में अनुसंधान निदेशालय एवं CIQA के प्रमुख प्रो. गिरिजा पाण्डे ने संस्थागत कार्यप्रणाली और वित्तीय समझ में निरंतर सुधार के लिए विशेषज्ञों के अनुभव से सीखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

श्री निरंजन पंत ने स्पष्ट किया कि वित्तीय प्रबंधन केवल लेखांकन या बजट बनाने तक सीमित नहीं है। उन्होंने योजना एवं बजट निर्माण, व्यय एवं खरीद प्रक्रिया, परिसंपत्ति प्रबंधन, लेखा व्यवस्था, आंतरिक नियंत्रण, लेखा परीक्षा और संसाधन संकलन को इसके प्रमुख आयाम बताया। उन्होंने कहा कि बजट

संस्थान की प्राथमिकताओं और लक्ष्यों के अनुरूप होना चाहिए तथा वित्तीय निर्णयों में वैधानिकता, औचित्य और सक्षम प्राधिकरण की स्वीकृति सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कार्य निष्पादन आधारित और परिणामोन्मुख बजट व्यवस्था पर भी जोर देते हुए कहा कि संस्थागत वित्तीय प्रबंधन को केवल खर्च की निगरानी तक सीमित न रखकर उसे परिणामों और उपलब्धियों से जोड़ा जाना चाहिए।

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के संदर्भ में श्री पंत ने मुक्त विश्वविद्यालयों के विकास और बदलते शैक्षणिक परिवेश पर भी विचार साझा किए। उन्होंने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय को हिमालयी विषयों एवं हिमालय-केंद्रित अध्ययन के विशिष्ट संस्थान के रूप में अपनी पहचान विकसित करने की दिशा में कार्य करने का सुझाव दिया। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने प्रो. पंत द्वारा दिए गए सुझावों को महत्वपूर्ण और विचारोत्तेजक बताते हुए उन्हें संस्थागत स्तर पर लागू करने की दिशा में प्रयास करने की बात कही। कार्यक्रम में प्रो. मंजरी अग्रवाल, प्रो. गिरिजा पाण्डे, श्री खेमराज भट्ट सहित शिक्षक, गैर-शैक्षणिक कर्मचारी और लेखा अनुभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. गगन सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. मंजरी अग्रवाल ने किया।

यूओयू परिसर में शुरू हुआ ईवी चार्जिंग स्टेशन, हरित परिवहन को मिलेगा बढ़ावा

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय परिसर में 21 सितम्बर 2026 को ईवी चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया गया। विश्वविद्यालय और EZY Charge के सहयोग से स्थापित इस स्टेशन का उद्देश्य परिसर में विद्युत वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित करना तथा पर्यावरण-अनुकूल एवं सतत परिवहन को बढ़ावा देना है।

इस पहल को विश्वविद्यालय की हरित प्रौद्योगिकी और पर्यावरणीय जिम्मेदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा गया। इस अवसर पर EZY Charge के प्रतिनिधि श्री प्रशांत उपस्थित रहे।

यूओयू ने बढ़ाया प्रवेश का अवसर, जुलाई 2026 सत्र की अंतिम तिथि 9 अक्टूबर तक

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) ने अकादमिक सत्र जुलाई 2026 में ऑनलाइन प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 9 अक्टूबर 2026 कर दी। इस निर्णय से उन शिक्षार्थियों को प्रवेश लेने का एक और अवसर मिला, जो निर्धारित अवधि में किसी कारणवश प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी अध्ययन केन्द्रों एवं संबंधित विद्याशाखाओं को विस्तारित तिथि की जानकारी शिक्षार्थियों तक पहुंचाने तथा प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने में आवश्यक मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए। अध्ययन केन्द्रों में अध्ययनरत शिक्षार्थियों को विशेष रूप से अगले सेमेस्टर अथवा अगले वर्ष में पुनः प्रवेश लेने के लिए सूचित करने को कहा गया, ताकि वे समय पर अपनी शैक्षणिक प्रक्रिया जारी रख सकें।

विश्वविद्यालय ने शिक्षार्थियों से अंतिम तिथि की प्रतीक्षा न करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने का आग्रह किया। प्रवेश तिथि में विस्तार को शिक्षार्थियों के लिए अपनी पढ़ाई जारी रखने और पुनः प्रवेश सुनिश्चित करने के अतिरिक्त अवसर के रूप में देखा गया।

FCRA पर राष्ट्रीय वेबिनार में हुआ गहन कानूनी विमर्श, पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ द्वारा Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में FCRA के कानूनी प्रावधानों, नियामक पक्षों तथा समकालीन संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता पर शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने अकादमिक विमर्श किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने की। उन्होंने FCRA की समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। मुख्य वक्ता प्रो. हरबंश दीक्षित ने FCRA से जुड़े विभिन्न कानूनी एवं व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से विचार

साझा किए और विदेशी अंशदान के नियमन से संबंधित विषयों की व्यापक समझ विकसित की। कार्यक्रम के स्वागत वक्तव्य में स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. कमल देवलाल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। डॉ. दीपांकर जोशी, समन्वयक, स्कूल ऑफ लॉ ने विषय की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए FCRA के महत्व और वर्तमान

संदर्भ में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रो. पी.डी. पंत, प्रोफेसर अकादमिक भी उपस्थित रहे।

वेबिनार में विदेशी अंशदान के विनियमन, पारदर्शिता, जवाबदेही और संबंधित कानूनी प्रावधानों पर सार्थक चर्चा हुई। कार्यक्रम का संचालन सुश्री अंशु जोशी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सुश्री स्वाति उपाध्याय, सहायक प्राध्यापक (ए.सी.), स्कूल ऑफ लॉ ने प्रस्तुत किया। उन्होंने अतिथियों, वक्ताओं, शिक्षकों, प्रतिभागियों और आयोजन समिति के सदस्यों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

समयबद्ध परीक्षा एवं केंद्रीय मूल्यांकन से परिणामों में आई तेजी, यूओयू की उल्लेखनीय उपलब्धि

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने जुलाई 2026 सत्र की परीक्षाओं और मूल्यांकन प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूरा करते हुए परिणाम शीघ्र जारी करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। जुलाई सत्र की परीक्षाएँ 20 जुलाई से 27 अगस्त 2026 तक कुल 80 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित हुईं, जिनमें 39,711 शिक्षार्थियों ने सहभागिता की। इसके साथ ही 16 अगस्त से 13 सितम्बर 2026 तक केंद्रीय मूल्यांकन संचालित किया गया।

इस दौरान कुल 2,14,686 उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन हुआ, जिनमें स्नातक स्तर की 1,10,980, स्नातकोत्तर की 59,699, ओएमआर आधारित 42,108, डिप्लोमा की 1,604 तथा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों की 295 उत्तरपुस्तिकाएँ शामिल थीं। व्यापक स्तर पर परीक्षा एवं मूल्यांकन कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करते हुए विश्वविद्यालय ने मात्र 20 दिनों में परीक्षा परिणाम जारी किए। केंद्रीय मूल्यांकन में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों से जुड़े लगभग 300 शिक्षकों एवं प्राध्यापकों ने सहभागिता की। इनमें जामिया मिल्लिया इस्लामिया,

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, गोरखपुर विश्वविद्यालय, रुहेलखंड विश्वविद्यालय तथा उत्तराखण्ड के कुमाऊँ विश्वविद्यालय और सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय सहित विभिन्न संस्थानों के शिक्षक शामिल रहे।

बड़ी संख्या में मूल्यांकनकर्ताओं के समन्वित प्रयासों से मूल्यांकन कार्य निर्धारित अवधि में पूरा हुआ। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की सुव्यवस्थित परीक्षा व्यवस्था, गुणवत्तापूर्ण मूल्यांकन और शिक्षार्थी-केंद्रित सेवाओं की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रही।

एआई से बदलेगा पर्यटन का अनुभव: यूओयू में डिजिटल टूरिज्म पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

विश्व पर्यटन दिवस 2026 के अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ टूरिज्म, हॉस्पिटैलिटी एवं होटल मैनेजमेंट (STHHM) विद्याशाखा ने सीका के सहयोग से 'Digital Agenda and Artificial Intelligence to Redesign Tourism' विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में पर्यटन क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और डिजिटल तकनीक की संभावनाओं, उपयोग तथा चुनौतियों पर विशेषज्ञों ने विचार साझा किए।

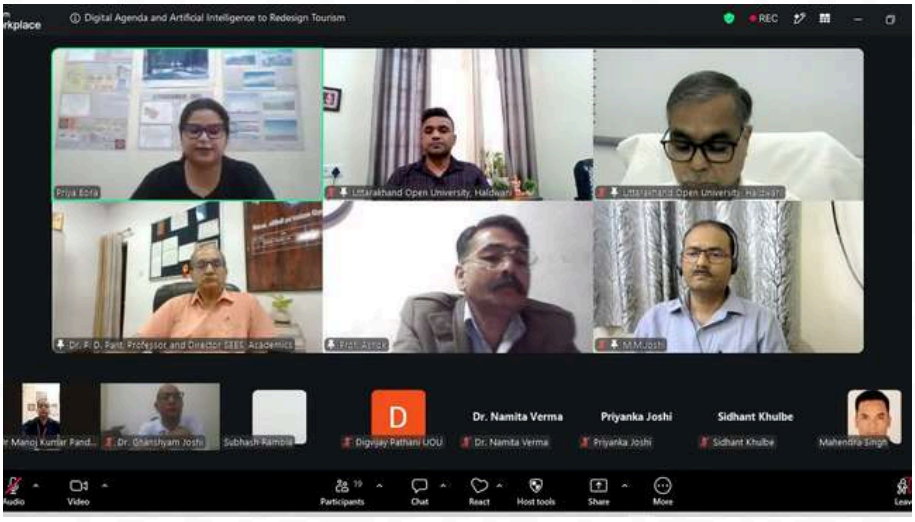

कार्यक्रम के स्वागत संबोधन में निदेशक प्रो. एम.एम. जोशी ने विश्व पर्यटन दिवस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डिजिटल तकनीक और AI का प्रभावी उपयोग पर्यटन सेवाओं को अधिक सुगम, प्रभावी और पर्यटक-अनुकूल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश सिंह ने विश्व पर्यटन दिवस की पृष्ठभूमि की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 27 सितम्बर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है और वर्ष 2026 में इसके आधिकारिक आयोजन की मेजबानी एल साल्वाडोर ने की। मुख्य वक्ता प्रो. अशोक कुमार, विभागाध्यक्ष, पर्यटन एवं आतिथ्य विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल ने पर्यटन एवं होटल उद्योग में AI और डिजिटल तकनीक के बढ़ते उपयोग पर चर्चा की। उन्होंने पर्यटन सेवाओं, प्रचार-प्रसार और पर्यटक अनुभव को बेहतर बनाने में AI की संभावनाओं को रेखांकित करते हुए इसके संभावित जोखिमों के प्रति भी सतर्क रहने की आवश्यकता बताई।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. गिरिजा पांडे, निदेशक, सीका ने उत्तराखण्ड और हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटन के संदर्भ में तकनीक के उपयोग पर विशेष जोर दिया। उन्होंने मौसम पूर्वानुमान, ट्रैफिक प्रबंधन, होटल बुकिंग और डेस्टिनेशन मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में AI एवं डिजिटल तकनीक की संभावनाओं को रेखांकित किया तथा सतत पर्यटन के लक्ष्यों के अनुरूप इनके जिम्मेदार एवं संतुलित उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम में यूओयू के शिक्षक, गैर-शैक्षणिक कार्मिक और विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। डॉ. सुभाष रमोला, डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय, प्रो. जितेंद्र पाण्डेय, डॉ. शशांक शुक्ला, डॉ. घनश्याम जोशी और डॉ. नीरज जोशी सहित अनेक शिक्षकों ने संगोष्ठी में सहभागिता की। मंच संचालन सुश्री प्रिया बोरा ने किया। अकादमिक निदेशक प्रो. पी.डी. पंत ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

पोषण माह में बाल विकास और स्वस्थ जीवनशैली पर ऑनलाइन कार्यशाला

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा पोषण माह के अंतर्गत एक दिवसीय ऑनलाइन पोषण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य पोषण जागरूकता बढ़ाने के साथ बच्चों के समग्र विकास, स्वस्थ जीवनशैली और पोषण संबंधी व्यवहार में सकारात्मक बदलाव के लिए वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराना था।

कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की निदेशक प्रो. मंजरी अग्रवाल ने पोषण माह की विषयवस्तु और उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए संतुलित आहार, श्रीअन्न, स्वस्थ जीवनशैली तथा कुपोषण एवं मोटापे जैसी समानांतर पोषण चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के माध्यम से वैज्ञानिक पोषण जानकारी के प्रसार की संभावनाओं को भी रेखांकित किया। प्रथम तकनीकी सत्र में गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर की सेवानिवृत्त पूर्व अधिष्ठाता प्रो. रीता सिंह रघुवंशी ने 'बाल्यावस्था विकास के लिए पोषण और शुरुआती प्रोत्साहन' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने जीवन के पहले छह वर्षों को बाल विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए संतुलित आहार के साथ स्नेह, संवाद, देखभाल और सकारात्मक पारिवारिक वातावरण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने खेल, कहानी, चित्रों और घरेलू गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के साथ संवाद बढ़ाने तथा भोजन के समय मोबाइल से बचने की सलाह दी। द्वितीय सत्र में राजकीय डिग्री कॉलेज, कांडा (बागेश्वर) की सहायक प्राध्यापक डॉ. मनीषा काराकोटी ने 'पोषण की शक्ति को जानें' विषय पर पोषक तत्वों, संतुलित आहार, पर्याप्त जल, फाइबरयुक्त, स्थानीय एवं मौसमी खाद्य पदार्थों के महत्व को सरल उदाहरणों से समझाया। उन्होंने AI एवं डिजिटल माध्यमों से पोषण संबंधी जानकारी लेते समय उसकी विश्वसनीयता जांचने की आवश्यकता के साथ नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और तनाव प्रबंधन को स्वस्थ जीवनशैली का हिस्सा बताया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने पोषण को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास से जुड़ा महत्वपूर्ण आयाम बताया। उन्होंने बच्चों के प्रारंभिक वर्षों में उचित पोषण, देखभाल और सकारात्मक वातावरण के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रतिभागियों से कार्यशाला की जानकारी परिवार एवं समुदाय तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं अन्य प्रतिभागियों ने ऑनलाइन सहभागिता की। श्रीमती मोनिका द्विवेदी ने संचालन, डॉ. दीपिका वर्मा ने विशेषज्ञ परिचय तथा डॉ. प्रीति बोरा ने आभार व्यक्त किया।

एमएड (स्पेशल) प्रवेश परीक्षा में 295 अभ्यर्थियों ने किया आवेदन, दो केंद्रों पर हुई परीक्षा

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की एमएड (स्पेशल) पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा 27 सितंबर 2026 को दो परीक्षा केंद्रों—एसजीआरआर कॉलेज, देहरादून और विश्वविद्यालय मुख्यालय, हल्द्वानी—में आयोजित हुई। परीक्षा प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक संपन्न हुई।

प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 295 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। एसजीआरआर कॉलेज, देहरादून केंद्र पर 207 अभ्यर्थियों में से 164 उपस्थित और 43 अनुपस्थित रहे। वहीं, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के हल्द्वानी मुख्यालय में 88 अभ्यर्थियों में से 66 ने परीक्षा दी, जबकि 22 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार कुल 230 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए और 65 अनुपस्थित रहे।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की एमएड (स्पेशल) पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा 27 सितंबर 2026 को दो परीक्षा केंद्रों—एसजीआरआर कॉलेज, देहरादून और विश्वविद्यालय मुख्यालय, हल्द्वानी—में आयोजित हुई। परीक्षा प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक संपन्न हुई।

हरिद्वार में यूओयू का क्षेत्रीय कार्यालय शुरू, पुस्तक मेले में विद्यार्थियों को मिलीं सैकड़ों निःशुल्क पुस्तकें

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने 29 सितंबर 2026 को एस.एम.जे.एन. पी.जी. कॉलेज, हरिद्वार में अपना क्षेत्रीय कार्यालय शुरू किया। क्षेत्रीय कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर विद्यार्थियों में पठन-पाठन की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशाल पुस्तक मेले का आयोजन भी किया गया, जिसमें विभिन्न विषयों की सैकड़ों पाठ्य पुस्तकें विद्यार्थियों को निःशुल्क वितरित की गईं। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय के शुरू होने से हरिद्वार और आसपास के विद्यार्थियों को प्रवेश, परीक्षा, अध्ययन सामग्री तथा शैक्षणिक मार्गदर्शन जैसी सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हुईं। उन्होंने इसे उच्च शिक्षा को अधिकाधिक विद्यार्थियों तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए एस.एम.जे.एन. महाविद्यालय के सहयोग की सराहना की और दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक समन्वय को मजबूत करने की बात कही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष एवं महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्रीमहंत डॉ. रविन्द्र पुरी जी महाराज ने शिक्षा को समाज और राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को पुस्तकों को अपना मित्र बनाने तथा शिक्षा के साथ संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व को जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने निःशुल्क पुस्तक वितरण की पहल को विद्यार्थियों में

अध्ययन की आदत विकसित करने की दिशा में उपयोगी बताया। क्षेत्रीय सेवाएं निदेशक डॉ. गिरिजा पांडे ने बदलते शैक्षणिक परिवेश में विद्यार्थियों को लचीले और वैकल्पिक अध्ययन अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। अतिरिक्त निदेशक क्षेत्रीय सेवाएं डॉ. एम.एम. जोशी ने कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय के माध्यम से विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक सेवाओं की जानकारी और आवश्यक मार्गदर्शन स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराया जा सकेगा। सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. बृजेश बनकोटी ने कार्यालय की भूमिका को प्रवेश, परीक्षा, अध्ययन सामग्री और अन्य अकादमिक गतिविधियों से जुड़ी विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के समाधान में महत्वपूर्ण बताया।

पुस्तक मेले में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी रुचि के अनुसार पुस्तकों का चयन किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. सुनील कुमार बत्रा, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के शिक्षक-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बृजेश बनकोटी ने किया, जबकि अध्ययन केंद्र समन्वयक डॉ. शिवकुमार चौहान ने आभार व्यक्त किया।

आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण जागरूकता, जंक फूड से बचाव का दिया संदेश

राष्ट्रीय पोषण माह के तहत उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग ने 30 सितंबर 2026 को कमलुवागांजा मेहता स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं, बच्चों और अभिभावकों को जंक फूड के अत्यधिक सेवन से होने वाले स्वास्थ्य दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया।

प्रतिभागियों को पैकेज्ड तथा अधिक नमक, चीनी और वसा वाले खाद्य पदार्थों के स्थान पर स्थानीय एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थ अपनाने, संतुलित आहार, स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली पर जानकारी दी गई। महिलाओं और बच्चों को एनीमिया, टीकाकरण, शिशु एवं बाल आहार, गर्भावस्था और नवजात देखभाल, माहवारी स्वच्छता, स्वच्छ जल तथा डेंगू-मलेरिया सहित विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर पेम्फ्लेट वितरित किए गए।

कार्यक्रम में बच्चों के लिए शिक्षाप्रद पोस्टर एवं खेल सामग्री तथा लाभार्थियों को सैनिटरी नैपकिन भी वितरित किए गए। स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की निदेशक प्रो. मंजरी अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभाग की डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. प्रीति बोरा, श्रीमती मोनिका द्विवेदी और डॉ. ज्योति जोशी तथा आंगनबाड़ी केंद्र की प्रभारी श्रीमती नीमा रुवाली एवं सहायिका श्रीमती बबीता उपस्थित रहीं।

एआई के दौर में पॉडकास्टिंग: विश्वसनीयता और मानवीय संवेदना पर जोर

अंतरराष्ट्रीय पॉडकास्ट दिवस के अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा और सामुदायिक रेडियो 'हैलो हल्द्वानी 91.2 एफएम' के संयुक्त तत्वावधान में 30 सितंबर 2026 को 'एआई के दौर में पॉडकास्टिंग: डिजिटल कथावाचन, विश्वसनीयता और समावेशी संचार का भविष्य' विषय पर वेबिनार आयोजित किया गया।

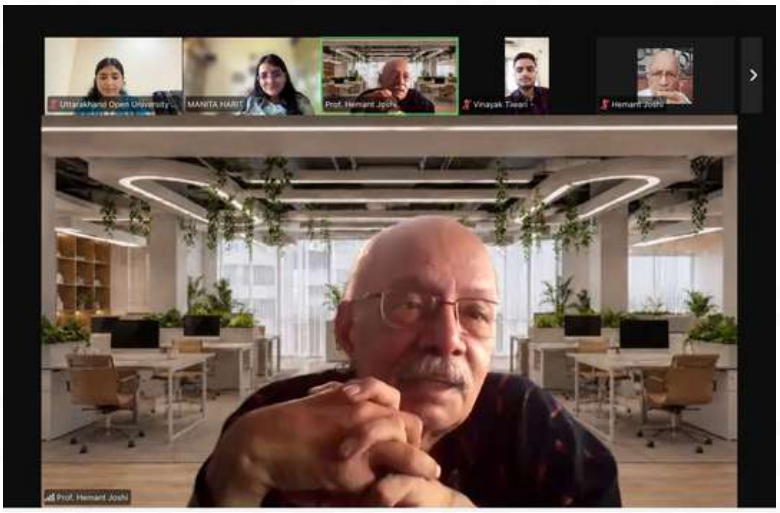

मुख्य वक्ता भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी), नई दिल्ली के पूर्व प्रोफेसर प्रो. हेमंत जोशी ने रेडियो, फिल्म और टेलीविजन से पॉडकास्टिंग तक मीडिया के विकास पर चर्चा करते हुए रिकॉर्डिंग, संपादन और अन्य तकनीकी कार्यों में एआई की उपयोगिता बताई। उन्होंने एआई को सहायक तकनीक के रूप में अपनाने के साथ मानवीय निगरानी, तथ्य-जांच और संपादकीय समीक्षा को आवश्यक बताया। उन्होंने पॉडकास्टिंग में रचनात्मकता, संवाद और विश्वसनीयता बनाए रखने पर भी जोर दिया। विद्याशाखा के निदेशक प्रो. राकेश चन्द्र रयाल ने पॉडकास्टिंग के विकास और डिजिटल मीडिया में इसकी बढ़ती प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहानी ने 'हैलो हल्द्वानी 91.2 एफएम' की पॉडकास्टिंग पहल की सराहना की। प्रश्नोत्तर सत्र में शोधार्थियों और शिक्षार्थियों ने एआई आधारित मीडिया उत्पादन एवं डिजिटल संचार से जुड़े प्रश्न पूछे। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापिका सुश्री हर्षिता मेहता ने किया और धन्यवाद ज्ञापन श्री अनिल नैलवाल ने किया।

दीक्षांत समारोह 2026 की तैयारियों पर यूओयू में अनुश्रवण बैठक

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में आगामी दीक्षांत समारोह 2026 की तैयारियों एवं शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा के लिए 30 सितंबर 2026 को सी.डी.एस. जनरल बिपिन रावत बहुउद्देशीय सभागार में वार्षिक अनुश्रवण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहानी ने की। बैठक में परीक्षाओं के संचालन, परीक्षा परिणाम, प्रवेश प्रक्रिया और आगामी दीक्षांत समारोह की तैयारियों

की समीक्षा की गई। कुलसचिव श्री खेमराज भट्ट ने समारोह के लिए गठित विभिन्न समितियों एवं उनके दायित्वों की जानकारी दी। कुलपति ने दीक्षांत समारोह को महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए सभी अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों से समन्वय और सक्रिय सहभागिता के साथ तैयारियां समयबद्ध रूप से पूरा करने का आह्वान किया। बैठक में निदेशक अकादमिक प्रो. पी.डी. पंत, शोध निदेशालय के प्रमुख प्रो. गिरिजा प्रसाद पाण्डे सहित विश्वविद्यालय के शिक्षण एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

मीडिया की सुर्खियों में विश्वविद्यालय

Happy Teachers' Day

मार्गदर्शक भी बनें शिक्षक: कुलपति

नैनीताल, संवाददाता। डीएसबी परिसर में शनिवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नौसेना एनसीसी कैडेट्स की ओर से यूओयू एवं कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी को 'गार्ड ऑफ ऑनर' देकर किया गया। परिसर निदेशक प्रो. संजय पंत ने अतिथियों का स्वागत किया।

समारोह में सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रो. केबी मेलकानी, प्रो. मंजू लता बिष्ट, प्रो. एबी मेलकानी, प्रो. चित्रा पांडे और प्रो. नीता बोरा शर्मा को सम्मानित किया गया। कुमाऊं विवि के नवनियुक्त कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने शुभकामनाएं दीं। वहीं, यूओयू के कुलपति प्रो. लोहनी ने नवाचार को अपनाने पर जोर दिया और उपस्थित लोगों को 'नशामुक्त भारत अभियान' की शपथ दिलाई।

यूओयू के वीसी प्रो. नवीन लोहनी को सम्मानित करते कुविवि के नए कुलपति प्रो. सतपाल बिष्ट व अन्य। स्रोत : कुविवि

पाइन क्रेस्ट विद्यालय में मनाया शिक्षक दिवस: पाइन क्रेस्ट में शिक्षक दिवस पर विशेष कार्यक्रम और भोज का आयोजन हुआ। संस्थापक संतोष कुमार ने संबोधित किया। विद्यार्थियों ने शिक्षकों को हस्तनिर्मित कार्ड व उपहार भेंट कर सम्मानित किया।

'विद्यार्थियों के नैतिक मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं शिक्षक'

जासं, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर शनिवार को शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसमें वरिष्ठ विज्ञानी एवं एनएसएआइ व एचएफअसाआइ के पूर्व निदेशक प्रो. शेर सिंह सामंत को विज्ञान एवं हिमालयी अध्ययन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मान किया गया।

प्रो. सामंत ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाले व्यक्ति नहीं हैं, बल्कि विद्यार्थियों

प्रो. शेर सिंह सामंत को सम्मानित करते कुलपति प्रो. लोहनी • सौ. विवि प्रशासन

इन्हें मिलेगा शिक्षाश्री सम्मान

हल्द्वानी : हिमालयन रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी ने स्पर्श गंगा शिक्षाश्री पुरस्कार की घोषणा की है। इसमें चंद्रशेखर जोशी, मनोज कुमार सती, डा. अनिता नैथानी, मीनाक्षी

राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अहम

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षक सम्मान समारोह, डॉ. शेर सिंह सामंत सम्मानित

संवाद न्यूज एजेंसी

हल्द्वानी। शिक्षक दिवस के अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षक सम्मान समारोह-2026 आयोजित किया गया। यह समारोह विश्वविद्यालय के सीडीएस जनरल विपिन रावत चहुउद्देशीय सभागार में हुआ। इसमें वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शेर सिंह सामंत को विज्ञान एवं हिमालयी अध्ययन में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

समारोह का शुभारंभ निदेशक अकादमिक प्रो. पीडी पंत ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. सामंत ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि नैतिक मार्गदर्शक भी होते हैं। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया।

यूओयू के वीसी प्रो. नवीन लोहनी को सम्मानित करते कुविवि के नए कुलपति प्रो. सतपाल बिष्ट व अन्य। स्रोत : कुविवि

शिक्षक दिवस के मौके पर रामनगर में विभिन्न स्कूल-कॉलेजों के अध्यापकों को सम्मानित किया गया। स्रोत : अध्यापक

कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि शिक्षक अपने जीवन में कई भूमिकाएं निभाता है और हर भूमिका निष्ठा से निभानी चाहिए। सम्मान समारोह में डॉ. कल्पना लखेड़ा, डॉ. नीरजा सिंह आदि मौजूद रहीं।

शिक्षक संघ ने सेवानिवृत्त शिक्षकों को दी विदाई

रामनगर। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ रामनगर की ओर से ब्लॉक संसाधन केंद्र में सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि सेवानिवृत्त शिक्षकों ने वर्षों तक पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ बच्चों को शिक्षा देकर समाज निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। समारोह में सेवानिवृत्त शिक्षक अनिल चौहान, भगवती छिमवाल, कल्पना मठपाल, कमलेश कोठारी, निर्मला गिरी, अमिता जोशी, कमल उप्रेती, नीता जोशी मौजूद रहीं। संवाद

एलटी शिक्षकों के लिए टीईटी बाध्यता हटाने की मांग

प्रो. लोहनी ने कार्यवाहक कुलपति का चार्ज लिया

नैनीताल, संवाददाता। कुलाधिपति एवं राज्यपाल के निर्देश पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने मंगलवार को कुमाऊं विवि के कार्यवाहक कुलपति का कार्यभार ग्रहण किया। राजभवन की ओर से उन्हें कुविवि के कुलपति का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है।

विवि में नए स्थायी कुलपति की नियुक्ति होने तक प्रो. लोहनी

यूओयू के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने मंगलवार को कार्यभार ग्रहण किया।

प्रो. एनसी लोहनी बने कुमाऊं विवि के कार्यवाहक कुलपति

कुमाऊं विश्वविद्यालय में कुलपति का कार्यभार संभालते प्रो. नवीन चंद्र लोहनी। स्रोत : कुमाऊं विवि

नैनीताल। कुलाधिपति एवं राज्यपाल के निर्देश पर विवि के लंबित प्रशासनिक कार्यों, परीक्षाओं

यूओयू में एफसीआरए पर हुआ राष्ट्रीय वेबिनार

हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) के स्कूल आफ ला की ओर से फारेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने विषय की समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता प्रो. हरबंस दीक्षित ने एफसीआरए के कानूनी और

मीडिया की सुर्खियों में विश्वविद्यालय

Happy Teachers' Day

राज्यपाल ने तीन पुस्तकों का किया विमोचन

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से तैयार तीन पुस्तकों का विमोचन मंगलवार को लोक भवन में राज्यपाल एवं कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी, सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन सहित राजभवन और विश्वविद्यालय के अधिकारी मौजूद रहे। विमोचित पुस्तकों में '21वीं सदीः चुनौतियां और अवसर', 'विकसित भारत@2047 आत्मनिर्भर, समावेशी और सतत राष्ट्र निर्माण के बढ़ते कदम' तथा 'विकसित उत्तराखंडः राज्यपाल के पंच स्वप्न और संदृष्टि' शामिल हैं। संवाद

लाक भवन म उत्तराखण्ड मुक्त विश्वावद्यालय की तीन पुस्तकों का विमोचन

● जनवाणी संवाददाता, देहरादून

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा तैयार एवं प्रकाशित तीन महत्वपूर्ण पुस्तकों का विमोचन मंगलवार को लोक भवन, देहरादून में उत्तराखण्ड के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी तथा सचिव पुस्तकों के माध्यम से आत्मनिर्भरता, नवाचार, ज्ञान, शिक्षा और सतत विकास के साथ देश एवं प्रदेश के भविष्य की दिशा पर विचार प्रस्तुत किए गए हैं। इस अवसर पर राज्य के सरकारी एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलपति, लोकभवन के अधिकारी कर्मचारी और उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से पुस्तकों के सम्पादन मंडल के सदस्य प्रो. मंजरी

उत्तराखंड में बिताए पांच वर्ष जीवन के सबसे महत्वपूर्ण : राज्यपाल

यूआयू की पुस्तकों का लोकार्पण करते राज्यपाल ले. जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह ● सूवि

राज्य ब्यूरो, जागरण, देहरादून : राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि उत्तराखंड में बिताए पांच वर्ष उनके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण और भावनात्मक यात्राओं में से एक हैं। सेना में चार दशक की सेवा के दौरान किसी एक स्थान पर तीन वर्ष से अधिक रहने का अवसर नहीं मिला, लेकिन देवभूमि में पांच वर्ष कैसे बीत गए, इसका पता ही नहीं चला। उन्होंने कहा कि यह यात्रा अकेले की नहीं, बल्कि पूरे लोक भवन परिवार, विश्वविद्यालयों, शिक्षाविदों, युवाओं, महिलाओं और प्रदेशवासियों के सहयोग से पूरी हुई है।

राज्यपाल के पांच वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर लोक भवन में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में

युवाओं को तकनीक से प्रेम करना सीखना चाहिए : राज्यपाल

जागरण संवाददाता, हरिद्वार : कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के तेजी से बढ़ते प्रभाव के बीच लोकतंत्र के भविष्य और तकनीक की भूमिका पर देव संस्कृति विश्वविद्यालय में देश-विदेश के विशेषज्ञों ने महामंथन किया। मंगलवार को आयोजित अंतरराष्ट्रीय समिट 'एआइ फार डेमोक्रेसी' में एआइ के अवसरों, चुनौतियों, लोकतांत्रिक संस्थाओं पर उसके प्रभाव और जिम्मेदार उपयोग पर चर्चा हुई। इस दौरान एआइ आधारित पत्रिका समेत कई पुस्तकों का विमोचन किया गया।

राज्यपाल ने कहा कि यह सम्मान केवल कार्मिकों का नहीं, बल्कि पूरे

दैनिक जागरण संस्कारशाला बातें हमारे डिजिटल आचरण की दैनिक जागरण

'डिजिटल डाइट से समय का प्रबंधन करें'

आज हम डिजिटल युग में जी रहे हैं। सुबह उठते ही स्क्रीन रोशनी दे कि कहीं कुछ छूट तो नहीं गया, इसलिए सबसे पहले हाथ पर मोबाइल होते हैं। इतना ही नहीं इंटरनेट और इंटरनेट बेसिया प्लेटफार्म्स दिनचर्या का अहम हिस्सा बन चुके हैं। इसकी बड़ी वजह इंटरनेट के माध्यम से विचार की जानकारियों तक आसान पहुंच है।

लवकुश

यह मानव सभ्यता की महान उपलब्धियों में से एक है, जिसने विकेन्द्रित शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर वैज्ञानिक, कारोबार आदि तक लगभग सभी को सुलभ और सुलभ बना दिया है परंतु इसके प्रभावों और सुविधा उपयोग के लिए डिजिटल विवेक और विवेकपूर्ण व्यवहार का होना जरूरी है।

ऐसे इसलिए क्योंकि डिजिटल दुनिया एक तीव्र धार वाले चाकू की तरह है, जिसमें विवेकपूर्वक इससे फल काटते हैं और अविवेकी अपना हाथ। यदि विवेक से काम न लिया जाए तो इसके गंभीर खतरे हैं। हमें डिजिटल डाइट अपनाकर समय का प्रबंधन करना चाहिए। साथ ही हमें तकनीक का गुलाम नहीं, बल्कि चतुर बनना है।

लेखक दीक्षांत इंटरनेशनल स्कूल, हल्द्वानी के प्रधानाचार्य हैं।

मोबाइल और इंटरनेट सिर्फ एक साधन, जीवन का केंद्र नहीं

डा. संजय कुमार सिंह

डिजिटल समय डिजिटलीकरण का है। इस युग में स्मार्ट फोन, इंटरनेट और आभासीय प्लेटफार्म ने शिक्षा एवं मनोरंजन के क्षेत्र अवसर प्रदान किए हैं। तात्कालिक, तकनीक के आत्मविश्वास और अल्पकालिक उपयोग का प्रभाव किशोरों के व्यवहार, एकाग्रता और समग्र कल्याण पर पड़ रहा है।

लगातार मोबाइल स्क्रीन के संपर्क में रहने से किशोरों को ध्यान केंद्रित करने की क्षमता प्रभावित होती है। पढ़ने और लिखने की आदतें कम होती हैं, निंदासी भाव, कार्यमनोस्थिति और स्वचलनकता पर असर पड़ सकता है। डिजिटल व्यसनता के चारण किशोर चिड़चिड़े हो रहे हैं और पारिवारिक संबंध में कमी आ रही है।

ऐसे में तुलना और दिखावे की संस्कृति किशोरों में असंतोष और आत्मविश्वास की कमी पैदा कर रही है। इसका समाधान तकनीक को रोकना नहीं, बल्कि डिजिटल विवेक और अनुशासन विकसित करना है।

किशोरों को समझना होगा कि मोबाइल और इंटरनेट उनके जीवन के साधन हैं, जीवन का केंद्र नहीं। परिवार में मोबाइल मुक्त वातावरण बनाना, स्क्रीन टाइम को खेल, पढ़ने, कला और संवाद की ओर देना आवश्यक है।

शैल, संगीत को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। माता-पिता व शिक्षकों को बच्चों से संवाद करना चाहिए। तकनीक का उपयोग साधन के रूप में करना सिखाना होगा, ताकि ये एकाग्रता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी विकसित कर सकें। यही डिजिटल विवेक उन्हें स्वस्थ रिश्तों और सकारात्मक जीवन की ओर ले जाएगा।

लेखक पैयी कान्वेंट स्कूल, ज्योलीकोट के प्रधानाचार्य हैं।

डिजिटल संबंधों को वास्तविकता पर न होने दें हावी

तकनीक एक साधन है, लेकिन जब यह हमारे ध्यान और व्यवहार पर नियंत्रण कर लेती है। ऐसे में यह निर्णय कर पाना कठिन हो जाता है कि तकनीक का उपयोग कब, कहां और कैसे करना चाहिए। यह समझना आवश्यक है कि मैं तकनीक का उपयोग कब, कहां और कैसे करूंगी। यदि नियंत्रण के बजाय हम सामाजिक प्रभावों से संचालित होने लगेंगे, तो हम अपने उद्देश्यपूर्ण जीवन से दूर हो सकते हैं। साथ ही लक्ष्य उद्देश्यपूर्ण जीवन तीन चाहिए। हर दिन सोने से पहले और सप्ताह में एक बार समय की समीक्षा करें कि क्या तकनीक आपके जीवन को बेहतर बना रही है। डिजिटल संबंधों को वास्तविक सामाजिक संबंधों का विकल्प नहीं बनने देना चाहिए। - डा. सौम्या, विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान, यूओयू।

तकनीकी परामर्श

- नोटिफिकेशन ध्यान खंड बटाते हैं, इसलिए अनावश्यक ऐप के नोटिफिकेशन बंद रखें
- एआइ का उपयोग करें, लेकिन पूरी तरह से निर्भर न हों और अपनी बुद्धि का प्रयोग करें
- एआइ माध्यमों में अपनी निजी जानकारी और दस्तावेजों को साझा कतई न करें
- किसी भी अज्ञातस्थान माध्यम का प्रयोग करने समय उसके नियम व शर्तों पढ़ें
- इंटरनेट मीडिया पर प्रामाणिक जानकारियों के स्रोत की पहचान अवश्य करें

- डा. बलम सिंह इजौटी, असिस्टेंट प्रोफेसर कम्प्यूटर विज्ञान, यूओयू।

सार्थक संवाद से ही आत्महत्या रोकथाम संभव : प्रो. लोहनी

हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में आत्महत्या रोकथाम दिवस पर एक दिवसीय कार्यशाला हुई। कुलपति प्रो. नवीन लोहनी और एमबीपीजी कालेज के प्राचार्य प्रो. एनएस बनकोटी ने शुभारंभ किया। कुलपति प्रो. लोहनी ने कहा कि सार्थक संवाद से आत्महत्या की रोकथाम संभव है। एसटीएच के वरिष्ठ मनोविज्ञानी डा. युवराज पंत, मनोचिकित्सक डा.

यूओयू के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी व एमबीपीजी कालेज के प्राचार्य प्रो. एनएस बनकोटी ● सौ. यूओयू

मीडिया की सुर्खियों में विश्वविद्यालय

ढोल-दमाऊं की थाप पर झूमा मुक्त विवि

यूओयू में ढोल-दमाऊं पर आयोजित कार्यशाला में प्रस्तुति देते कलाकार। अमर उजाला

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के जनरल बिपिन रावत बहुउद्देशीय सभागार में रविवार को 'अपनी धरोहर न्यास' ने ढोल-दमाऊं कार्यशाला का आयोजन किया। इसका शुभारंभ ढोल-दमाऊं की मंगल थाप, दीप प्रज्ज्वलन और शगुन आखर के साथ हुआ। डॉ. सोहन लाल और टीम ने गणेश वंदना से प्रस्तुति शुरू कर ढोल के अलग-अलग ताल और बोलों का अर्थ समझाया। संयोजिका शांति जीना ने कहा कि संस्कृति के संरक्षण की शुरुआत खुद से होती है। कुलपति प्रो. प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि लोक संगीत को विश्वविद्यालय के हर शुभ अवसर का हिस्सा बनाया जाएगा। इस दौरान बैणी सेना, साथी सहित कई संस्थाओं को सम्मानित किया गया। वहां प्रो. दुर्गेश पंत, चंद्रशेखर, प्रो. राकेश चंद्र रयाल, नवीन जोशी, संजय शाह आदि मौजद रहे। संवाद

'समाज को जोड़ता है देवभूमि का संस्कृत'

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी : ढोल-दमाऊ और हुड़के की थाप से निकले लोक संस्कृति के मधुर स्वरों के बीच उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में रविवार को कार्यशाला हुई।

अपनी धरोहर न्यास ने उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकास्ट) के साथ कार्यक्रम किया। इसमें वाद्यक डा. सोहन लाल और

दूरस्थ से उच्च शिक्षा लेने में पुरुषों से आगे महिलाएं

सुमित जोशी • जागरण

हल्द्वानी : मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा पद्धति ने पढ़ाई को सुलभ और सुगम बना दिया है। घर बैठे अध्ययन सामग्री एवं रिकार्डेड लेक्चरों की सुविधा ने पढ़ाई में आने वाली भौगोलिक और सामाजिक बाधाओं को खत्म किया है। ऐसे में पुरुषों के मुकाबले महिलाएं दूरस्थ माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने में आगे आ रही हैं। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की सेंटर फार इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस (सीका) की वार्षिक रिपोर्ट से इसकी पुष्टि हुई है।

सीका की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025-26 में विवि में कुल 83,807

83 हजार विद्यार्थी पिछले वर्ष उत्तराखंड मुक्त विवि में थे अध्ययनरत

28 हजार छात्राएं बीए, बीएससी और बीकाम में रहीं पंजीकृत

19 हजार महिला शिक्षार्थियों ने पीजी में लिया था दाखिला

6 उत्तराखंड में भौगोलिक परिस्थितियां विषम हैं। छात्राएं कालेज दूर होने के कारण नियमित

दैनिक जागरण ने किया एडुसाल्व अवार्ड समारोह का भव्य आयोजन, शिक्षकों को किया गया सम्मानित

एआइ के दौर में बढ़ेगी शिक्षकों की भूमिका और सम्मान : प्रो. लोहनी

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस (एआइ) के दौर में शिक्षक और विद्यार्थी की भूमिका बदल गई है।

आज जितनी सूचनाएं अध्यापकों के पास हैं, उतनी ही छात्र-छात्राओं के पास भी। एआइ से इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारियों तक पहुंच अधिक सुगम हो गई है। भविष्य को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं, लेकिन शिक्षक प्रभावित नहीं होंगे, बल्कि विशेष बने रहेंगे और उनका सम्मान बढ़ेगा। गुरुजन अपने जीवन और अकादमिक अनुभव को जोड़कर विद्यार्थियों को कुछ नया सिखाएंगे। साथ ही छात्र एवं शिक्षकों को सीखने, समझने और समझाने की ललक पर भी इसका प्रभाव दिखेगा। प्रो. लोहनी रविवार को आयोजित दैनिक

एडुसाल्व अवार्ड समारोह में बोलते कुलपति प्रो. नवीन लोहनी • जागरण

जागरण के एडुसाल्व अवार्ड समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

दैनिक जागरण ने रामपुर रोड स्थित अम्मरदीप होटल में इस भव्य समारोह को आयोजित किया। प्रो. लोहनी ने कहा कि जीवन में शिक्षकों की भूमिका अहम होती है। अपने गुरु एवं मार्गदर्शकों का सम्मान करने वाला समाज अथवा व्यक्ति हमेशा आगे बढ़ता है। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों की विशेषता को पहचानने और आदर्श

दैनिक जागरण के एडुसाल्व अवार्ड समारोह में सम्मानित हुए शिक्षकों के साथ यूओयू के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी • जागरण

व्यवहार करने की अपील की। कहा कि विद्यार्थी अपने शिक्षकों से सीखते हैं, ऐसे में उन्हें जिस तरह से तैयार करेंगे वे आगे चलकर उसी तरह के व्यवहार को अपनाएंगे। गुरुजनों से अपने शिष्यों को हमेशा बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करने को कहा। इधर, कुलपति प्रो. लोहनी ने कहा कि दैनिक जागरण लगातार हिंदी की सेवा में श्रेष्ठ कार्य कर रहा है।

साथ ही नए विषयों के अध्ययन और कौशल वृद्धि के लिए उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने की बात भी कही। विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों और शिक्षण गतिविधियों के बारे में बताया। सम्मान समारोह में 32 स्कूल और कालेजों के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रभाकर जोशी ने किया।

एमबीपीजी कॉलेज के छात्रों ने कुमाऊं विवि के कार्यवाहक कुलपति से मुलाकात की।

छात्रों ने कुलपति को बताईं समस्याएं

हल्द्वानी। कुमाऊं विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी से एमबीपीजी कॉलेज के छात्रों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर परीक्षा परिणाम और बारिश से उत्पन्न समस्याओं के बारे में बताया। छात्रों ने कुलपति का परीक्षा परिणाम घोषित करने के लिए भी आभार जताया। इस दौरान छात्रों ने कॉलेज की अन्य समस्याओं को भी कुलपति के समक्ष उठाया।

मीडिया की सुर्खियों में विश्वविद्यालय

उत्तराखंड मुक्त विवि में एनईपी कार्यक्रम शुरू

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 अभिमुखीकरण एवं संवेदीकरण कार्यक्रम सोमवार से शोधकर्ता और शिक्षाविद् प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यक्रम में 14 अकादमिक सत्र होंगे। यूओयू के कुलपति नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों एवं

यूओयू की प्रवेश परीक्षाएं शांतिपूर्ण संपन्न

कुलपति प्रो. लोहनी ने परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण

उत्तर उजाला संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के जुलाई 2026 प्रवेश सत्र के तहत बीएड (ओडीएल) और बीएड (स्पेशल) पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा रविवार को निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान हल्द्वानी और देहरादून के केंद्रों पर अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। विश्वविद्यालय के कुलपति और परीक्षा नियंत्रक ने लामाचौड़ स्थित

बीएड (ओडीएल) की परीक्षा सुबह 9 से 11 बजे तक और बीएड (स्पेशल) की परीक्षा दोपहर 12 से दो बजे तक आयोजित की गई। बीए (योग) और एमए (योग) पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा ऑनलाइन माध्यम से सुबह 10 से 11 बजे तक आयोजित की गई। इसमें

यूओयू में अब प्रवेश तिथि नौ अक्टूबर तक बढ़ी

उत्तर उजाला संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने जुलाई 2026 सत्र में ऑनलाइन प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों को राहत दी है। विश्वविद्यालय ने प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब नौ अक्टूबर कर दी है। इससे निर्धारित समय में प्रवेश नहीं ले पाने वाले विद्यार्थियों को एक और अवसर मिल गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी अध्ययन केंद्रों और संबंधित विद्या शाखाओं को प्रवेश की विस्तारित अंतिम तिथि की जानकारी शिक्षार्थियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने में आवश्यक मार्गदर्शन देने को कहा गया है। यूओयू ने अध्ययन केंद्रों में अध्ययनरत शिक्षार्थियों को अगले सेमेस्टर अथवा

सफल होगी नई शिक्षा नीति

संवाद न्यूज एजेंसी

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आठ दिवसीय अभिमुखीकरण एवं संवेदीकरण कार्यक्रम का ऑनलाइन शुभारंभ सोमवार से शुरू हो गया है। कार्यक्रम मुक्त विवि और राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) नई दिल्ली के संयुक्त

एनईपी को कागज से निकालकर व्यवहार में लाने की दरकार

लोहनी ने कहा कि एनईपी के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों के बीच निरंतर संवाद, चिंतन और अनुभव साझा करना आवश्यक है।

विश्वविद्यालय गुणवत्तापूर्ण और समावेशी परिवर्तन के लिए प्रतिबद्ध है। नीपा की कुलपति प्रो. शशिकला वंजारी एनईपी 2020 की व्यवहार से जोड़ने क्रम में प्रो. अमित र मिश्रा, डॉ. सुमन

भीमताल में खुला मुक्त विवि का अध्ययन केन्द्र शुरू

विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्ध होंगे अतिरिक्त शैक्षिक अवसर

उत्तर उजाला संवाददाता

भीमताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के भीमताल स्थित जैव प्रौद्योगिकी विभाग में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र शुरू हो गया है। जिसका शुभारंभ उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एनसी लोहनी ने किया गया।

विश्वविद्यालय का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ उच्च शिक्षा को अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचाना है। इस दौरान मुक्त विश्वविद्यालय के प्रो. गिरिजा पाण्डे, प्रो. एमएम जोशी व प्रो. रेखा बिष्ट ने भी अपने विचार साझा किए। बताया कि कहा नियमित शिक्षा के साथ-साथ मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थी अपनी शैक्षिक एवं व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुरूप अतिरिक्त पाठ्य इस समन सभा

एनईपी के सफल क्रियान्वयन को शिक्षाविदों का निरंतर संवाद जरूरी

हल्द्वानी: उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) की ओर से राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) नई दिल्ली के सहयोग से राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिमुखीकरण एवं संवेदीकरण कार्यक्रम का आठ दिवसीय आनलाइन आयोजन सोमवार से शुरू हुआ। 15 सितंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम में देशभर से लगभग 180 शिक्षक, शोधकर्ता और शिक्षाविद भाग ले रहे हैं। यूओयू के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के सफल क्रियान्वयन को शिक्षाविदों के बीच निरंतर संवाद जरूरी है। इस दौरान नीपा की कुलपति प्रो. शशिकला वंजारी का वीडियो संदेश भी दिखाया गया। यहां

अब हरिद्वार में होंगे यूका के सभी कार्य, खुलेगा विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय कार्यालय

रुड़की के बीएसएम पीजी कॉलेज से हरिद्वार में होगा शिफ्ट

वसंत कुमार

हरिद्वार। अब हरिद्वार में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय कार्यालय होगा। जिसे रुड़की से अगले सप्ताह धर्मनगरी में शिफ्ट कर लिया जाएगा। अब तक कार्यालय रुड़की में चल रहा था।

एक्सक्लूसिव

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी की ओर से इंटर से ऊपर के छात्र-छात्राओं को शिक्षा दी जाती है। इसमें विश्वविद्यालय स्नातक (बीए, बीएससी, बीकॉम, बीसीए, बीलीबी) और परास्नातक (एमए, एमएससी, एमकॉम, एमबीए), डिप्लोमा छात्र-छात्राएं अध्ययन कर रहे हैं।

अभी तक विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय कार्यालय रुड़की के बीएसएम पीजी कॉलेज में चलाया जा रहा था, जिसे अब विश्वविद्यालय पर लाया जा रहा है। हरिद्वार के प्रमिट एसएमएजेएन पीजी

> उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के क्षेत्रीय कार्यालय खोलने के लिए स्थान उपलब्ध करा दिया गया है ताकि क्षेत्रीय कार्यालय व्यवस्थित ढंग से संचालित हो सके। -प्रो. एसके बजाज, कुलपति, एसएमजेएन कॉलेज

> बीएसएम कॉलेज रुड़की में अध्ययन केंद्र चल रहेगा। जनहित मुख्यालय हरिद्वार में क्षेत्रीय कार्यालय खुलने से केंद्रों की ओर से चलने वाली गतिविधियों पर नजर रखने में आसानी होगी। -प्रो. कुलिश कमलेटी, महाप्रबंधक क्षेत्रीय निदेशक, विश्वविद्यालय

कार्यालय का उद्घाटन कर दिया जाएगा। इससे हरिद्वार क्षेत्रीय कुमाऊंनी में जनपद

डिजिटल तकनीक और एआई से संवरेगा पर्यटन

विश्व पर्यटन दिवस पर यूओयू में राष्ट्रीय स्तर पर हुआ मंथन, विशेषज्ञों ने बताए अवसर और जोखिम

हल्द्वानी। विश्व पर्यटन दिवस पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ टूरिज्म, हॉस्पिटैलिटी एंड होटल मैनेजमेंट विद्याशाखा ने सीका के सहयोग से 'डिजिटल एजेंडा एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टू रिडिजाइन टूरिज्म' विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

शुभारंभ एसटीएचएचएम के निदेशक प्रो. एमएम जोशी ने किया। उन्होंने कहा कि

मुख्य वक्ता कुमाऊं विवि के पर्यटन विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार ने कहा कि एआई के जोखिमों से सावधान रहना होगा वहां समन्वयक डॉ. अखिलेश सिंह, प्रो गिरिजा पांडे, प्रो. पीडी, डॉ. सुभाष रमोला

यूओयू में विशेष व्याख्यान आयोजित

उत्तर उजाला संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में वित्तीय प्रबंधन और संस्थागत जवाबदेही को लेकर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र (सीआईक्यूए) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भारत के पूर्व उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक निरंजन पंत ने वित्तीय प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वित्तीय प्रबंधन केवल लेखांकन और बजट बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्थान के संसाधनों का बेहतर उपयोग और निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति भी इसका

व्यवस्था, आंतरिक नियंत्रण, लेखा परीक्षा और संसाधनों के संकलन जैसे विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि संस्थान का बजट उसकी प्राथमिकताओं और लक्ष्यों के अनुरूप होना चाहिए। वित्तीय निर्णयों में वैधानिकता, औचित्य और सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने कार्य खर्च की निगरानी तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। इसे संस्थान की उपलब्धियों और परिणामों से जोड़ना आवश्यक है। व्याख्यान के दौरान उन्होंने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के बदलते स्वरूप पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने भारत और अन्य देशों में मुक्त विश्वविद्यालयों के विकास की जानकारी देते हुए यूओयू के लिए कई रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य करने का सुझाव दिया। सीआईक्यूए के प्रमुख प्रो. गिरिजा पांडे ने कहा कि विवि में वित्तीय समझ, संस्थागत कार्यप्रणाली और शैक्षणिक प्रदर्शन में लगातार सुधार के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने निरंजन पंत के सुझावों को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा

यूओयू में ईवी चार्जिंग स्टेशन शुरू

हल्द्वानी। विशेष व्याख्यान के बाद विश्वविद्यालय परिसर में ईवी चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया गया। विश्वविद्यालय और ईजी चार्ज के सहयोग से स्थापित स्टेशन का उद्देश्य परिसर में विद्युत वाहनों के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है। ईजी चार्ज के प्रतिनिधि प्रशांत ने विश्वविद्यालय के सहयोग के लिए आभार जताया और पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

जाएंगे। इस दौरान प्रो. मंजरी अग्रवाल, प्रो. गिरिजा पांडे, खेमराज भट्ट सहित

UGC - DEB, RCI, AICTE, NCVET, NCTE अदि द्वारा मान्यता प्राप्त कार्यक्रम

विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम

स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम

- बी.ए., बी.एससी., बी.ए. (योग ऑनर्स), बी.सी.ए. (BCA), बी.बी.ए. (BBA), बी.कॉम. (B.Com.), बी.एड. (ODL), बी.एड. (Special Education), बी.टी.टी.एम. (BTTM), बी.एल.आई.एस. (BLIS)।

स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम

- एम.ए.– अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन, समाज शास्त्र, समाज कार्य, विकास अध्ययन (Development Studies), हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, ज्योतिष, संगीत, उर्दू, गृह विज्ञान, योग, शिक्षा शास्त्र, पत्रकारिता एवं जनसंचार, भूगोल, पर्यावरण अध्ययन, मानव अधिकार।

  एम.एससी.– इनफार्मेशन टेक्नॉलजी, साइबर सिक्योरिटी, पर्यावरण विज्ञान, जियो इन्फॉर्मेटिक्स, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, प्राणी विज्ञान, गणित।

  एम.बी.ए.(MBA), एम.सी.ए.(MCA),एम.कॉम(M.Com.), एम.एल.आई.एस. (MLIS), एम.टी.टी.एम. (MTTM), एम.एड. (Special Education)।

डिप्लोमा पाठ्यक्रम

- नॉन वुड फॉरेस्ट प्रोडेक्ट्स (Non-wood Forest Products), योग विज्ञान, फलित ज्योतिष, वैदिक कर्मकाण्ड, वास्तु शास्त्र, चिकित्सा ज्योतिष, इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी, कम्प्यूटर एप्लीकेशन, ट्यूरिज्म स्टडीज, कॉमर्शियल हॉर्टिकल्चर (Commercial Horticulture), वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स फ्रॉम फ्रूट्स एण्ड वैजीटेबल्स (Value Added Products from Fruits and Vegetables), जर्नलिज्म एण्ड न्यू मीडिया (Journalism and New Media), नेपाली भाषा, जियो इन्फॉर्मेटिक्स।

सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

- पंचायती राज, स्मृति संवर्धन (Memory Enhancement), वैदिक कर्मकाण्ड, फलित ज्योतिष, संस्कृत भाषा, वैदिक ब्रह्माण्ड विज्ञान, गढ़वाली भाषा, नेपाली भाषा, कुमाँऊनी भाषा, ऑफिस मैनेजमेंट, ई-गवर्नेंस एण्ड साइबर सिक्योरिटी, कम्प्यूटर एप्लीकेशन, योग विज्ञान, नैचुरोपैथी, सूचना का अधिकार, साइबर स्पेस और डेटा सिक्योरिटी, फाउंडेशन कोर्स इन स्पेशल एजुकेशन, गैर–काष्ठ वन उत्पाद (Non-wood Forest Products), जियो इन्फॉर्मेटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग और प्रबंध, सॉफ्ट स्किल और ई–ऑफिस प्रबंध, टैक्नोलॉजी इनेबल्ड एजुकेशन (Technology Enabled Education), कम्युनिटी रेडियो टैक्नोलॉजी (Community Radio Technology), डेटा साइन्स और एप्लिकेशन, विकास अध्ययन (Development Studies), जैविक खेती (Organic Farming), भारतीय ज्ञान परंपरा (Indian Knowledge System)।

असिस्टेंट होम स्टे मैनेजर (NCVET द्वारा मान्यताप्राप्त)।

पीएच.डी. (Ph.D.) कार्यक्रम नियमित मोड (Regular Mode) में भी उपलब्ध है।

संपादकीय - मंडल

प्रधान संपादक - प्रो. राकेश चंद्र रयाल

संपादक - डॉ. शशांक शुक्ल

सहायक संपादक - श्री विनायक तिवारी
सुश्री हर्षिता मेहता

डिज़ाइनर - श्री विनायक तिवारी

क्षेत्रीय केन्द्र

1. देहरादून : गुरु राम राय (पी.जी.) कॉलेज, देहरादून–248001
   0135 – 2720027, dehradun@uou.ac.in
2. हरिद्वार : एस.एम.जे.एन. पी.जी. कॉलेज गोविंदपुर, रानी मोड़ के पास, हरिद्वार - 249401, haridwar@uou.ac.in
3. पौड़ी : एच.एन.बी. गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर, पौड़ी–246001
   01368–223308, pauri@uou.ac.in
4. उत्तरकाशी : आर.सी.यू. गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, उत्तरकाशी–249193
   01374 – 222004, uttarkashi@uou.ac.in
5. हल्द्वानी : एम.बी. गवर्नमेंट (पी.जी.) कॉलेज, हल्द्वानी–263139
   05946–284149, hadwani@uou.ac.in
6. कर्णप्रयाग : डॉ. शिवानंद नौटियाल, गवर्नमेंट पी.जी. कॉलेज, कर्णप्रयाग–246444
   8475990960, karnaprayag@uou.ac.in
7. पिथौरागढ़ : लक्ष्मण सिंह महर रा.पी.जी. कॉलेज पिथौरागढ़–262502
   05964–264015, pithoragarh@uou.ac.in
8. रानीखेत : एस.एस.जे.डी.डब्लू.एस.एस.एस.गवर्नमेंट पी.जी. कॉलेज,
   रानीखेत–263647 05966–220474, ranikhet@uou.ac.in

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर के पीछे, तीनपानी बाईपास, हल्द्वानी-263139, नैनीताल, उत्तराखण्ड

आदर्श अध्ययन केन्द्र

1. हल्द्वानी : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय मुख्यालय–263139
   05946–286082, 16000@uou.ac.in
2. देहरादून : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, यू.सी.एफ. सदन, नियर प्रसार भारती देहरादून–248001
   0135–2974379, 11000@uou.ac.in

कुल अध्ययन केन्द्र : 145

Admission QR Code

हमसे जुड़ें :-

Hello Haldwani हैलो हल्द्वानी 91.2 FM